सीमासुरक्षा बल स्थापनादिवस : अलगअभिव्यक्ति

दिनॉक 01 दिसम्बर 2013 कोसीमासुरक्षा बल के 48वें स्थापना दिवस के अवसर पर ''एकता और बन्धुत्वता'' स `संबंधित साइकिल रैली `का आयोजन।जिसमें क्षेत्रीय मुख्यालय कृष्णानगर के अधीन बटालियनों से `कुल 65 सीमा प्रहरीयो ंन `भाग लिया।जिसम ेंअधिकारी, अधिनस्थ अधिकारी एव ंजवान सभी शामिल थे।उक्त रैली कृष्णानगर, सरतपल्ली, सीमुलतला, नेशनल हाईवे नं0– 34, मजिस्ट्रेट कार्यालय, डाकखाना, व दयार बजार स `होत `हुए 119वीं वाहिनी मुख्यालय सीमानगर 1330 बजे पहुॅंची। यहा ॅश्री विजय कुमार, समादेष्टा 119वी वाहिनी द्वारा रैली का स्वागत किया गया।

इस रैली के आयोजन का श्रेय श्रीपुष्पेन्द्र सिंह राठौड, उप महानिरीक्षक क्षेत्रीय मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल, कृष्णानगर को जाता है जिन्होनें दिनॉक 25 नवम्बर 2013 को क्षेत्रीय मुख्यालय कृष्णानगर का कार्यभार सॅभाला और अपनी प्रथम सीमा चौकियो की Visit के दौरान यह अनुभव किया कि यहॉ नागरिकों और सीमा प्रहरीयों में काफी तनावपूर्ण संबंध हैं और उन्हीं के निर्देशानुसार उपरोक्त रैली का आयोजन सीमा सुरक्षा बल के 48वें स्थापना दिवस पर किया गया।

इसरैली के द्वारा ''एकताऔरबन्धुत्वता'' की भावना को बल दिया गया। इस रैली के आयोजन का मुख्य उददे्श्य सीमा प्रहरीयों और आम जनता के बीच भाईचारे व एकता की भावना जाग्रत करना था। जिससे आम जनता व बल में भाईचारे एवं बन्धुत्वता को पूर्ण बल मिलताहै ।

इस रैली के दौरान, सीमा प्रहरीयों में व सीमावर्ती नागरिकों मे प्रेम व भाईचारे की भावना देखने को मिली। यह रैली देखकर लोग स्तब्ध रह गये कि जो सीमा प्रहरी बंदूक ताने सीमा की रखवाली करते हैं वही आज सामान्य नागरिक की तरह उनके समक्ष साईकिलों पर हैं। जब तक रैली उनकी ऑखों से ओझल नहीं हुयी तब तक सभी क्षेत्रवासी रैली को सम्मान से निहारते रहे । इस प्रकार इस रैली से सीमा प्रहरी को सीमा प्रहरी होने व अपने सीमा सुरक्षा बल का कार्मिक होने पर गर्व महसूस हुआ ।

सारांश यह है कि बल व स्थानीय जनता के मध्य प्रेम और भाई चारे की भावना होनी चाहिए। इससे समाज के सभी वर्गो में सौहार्द बढता है। इससे देश में सुख व शान्ति बढती है। जिससे देश की समृद्वि बढेगी और विश्व का विकास होगा। अर्थात् ''एकता और बन्धुत्वता'' वह पूॅजी है जिसे बनाए रखना हमारा परम कर्तव्य है।

जय हिन्द !